माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया का सम्बोधन पंचायती राज संस्थाओं के सम्मेलन का दूसरा चरण, असम, गुवाहाटी

दिनांक 8 जुलाई 2023

असम विधान सभा के माननीय अध्यक्ष : श्री विश्वजीत दैमारी जी,
माननीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री : श्री रंजीत दास जी,
संसदीय कार्य मंत्री : श्री पीयूष हजारिका जी
वन मंत्री: श्री चन्द्र मोहन पटवारी जी
स्वास्थ्य मंत्री: श्री केशब महनता जी
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री: श्री जयंता मल्ला बरुआह जी
प्रधान सचिव, असम विधान सभा: श्री हेमेन दास जी

कामरूप (मेट्रो) कामरूप (ग्रामीण), नागांव, मोरीगांव, दरंग और नलबारी जिले के माननीय विधायक गण,

और असम विधानसभा के सभी अधिकारी और असम के पंचायती राज संस्थानों के प्रतिनिधि ।

देवियों और सज्जनों,

आज सुबह इस प्रतिष्ठित सभा को संबोधित करने और पंचायती राज सम्मेलन के दूसरे चरण पर अपने विचार साझा करने के लिए आपके बीच आना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है।

सबसे पहले, मैं श्री दैमारी जी को असम के पंचायती राज संस्थानों के निर्वाचित प्रतिनिधियों को एक सामान्य, राज्य-स्तरीय मंच पर एक साथ लाने की उनकी नेक पहल के लिए बधाई देता हूं।मुझे सूचित किया गया है कि अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन ने 2 जनवरी, 2023 को जयपुर, राजस्थान में अपने संकल्प के तहत संवैधानिक प्रावधानों, विधायी प्रथाओं और प्रक्रियाओं में आबादी के सभी वर्गों, विशेषकर महिलाओं और युवाओं की

शिक्षा के लिए हर संभव कदम उठाने का संकल्प लिया। इस संकल्प के अनुसरण में, माननीय अध्यक्ष श्री बिस्वजीत दैमारी के नेतृत्व में असम विधान सभा ने पूरे असम में विभिन्न स्थानों पर पंचायत सम्मेलन आयोजित करने की पहल की है।

मैं इस अवसर पर फरवरी, 2023 में डिब्रूगढ़ में आयोजित पीआरआई सम्मेलन के पहले चरण के सफल समापन के लिए अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करता हूं। मैंने सुना है कि सम्मेलन चरण-। एक बड़ी सफलता थी जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। डिब्रूगढ़, धेमाजी, तिनसुकिया और चराइदेव जिलों के पीआरआई प्रतिनिधियों ने भागलिया। आज आयोजित सम्मेलन के दूसरे चरण में कामरूप (मेट्रो), कामरूप (ग्रामीण), दरंग, नलबाड़ी, मोरीगांव और नागांव जिलों से पीआरआई के निर्वाचित प्रतिनिधि भाग लेंगे और "प्रभावी लोकतंत्र के लिए विधानमंडलों और पीआरआई की भूमिका और सतत विकास" और "पीआरआई का सुदृढ़ीकरण" के विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे।

जैसा कि हम सभी जानते हैं, पंचायती राज संस्थाएँ (पीआरआई) ग्रामीण भारत में जमीनी स्तर पर गाँवों की स्थानीय स्वशासन की प्रणाली है, पीआरआई को "आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय को मजबूत करने और ग्यारहवीं अनुसूची में सूचीबद्ध 29 विषयों सहित केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के कार्यान्वयन" का काम सौंपा गया है। आजकल, पीआरआई विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन में शामिल हैं। इसलिए, देश के विकास और लोगों के कल्याण के लिए पीआरआई की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। मुझे पता चला है कि असम में पंचायती राज संस्थाओं के पास स्थानीय स्वशासन की बहुत मजबूत ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। असम के गाँवों में बहुत पहले से ही अलग-अलग नामों या रूपों में एक मजबूत पंचायत थी। असम, असम पंचायत अधिनियम, 994 के रूप में पंचायत अधिनियम लागू करने वाले भारत के अग्रणी राज्यों में से एक था।
असम में पीआरआई की त्रिस्तरीय प्रणाली है:-
ग्राम स्तर पर गाँव पंचायतें (जीपीएस) प्रमुख इकाइयाँ हैं, जबकि मध्य स्तर में ब्लॉक स्तर पर आंचलिक पंचायत (एपी) और शीर्ष स्तर पर जिला परिषद (जेडपी) शामिल हैं।

असम के माननीय मुख्यमंत्री का राज्य के विकास में सक्रिय योगदान है, विशेष रूप से जमीनी स्तर के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यानी पीआरआई के माध्यम से। मेरा मानना है कि उनके सक्षम नेतृत्व में, पीआरआई असम राज्य में जमीनी स्तर के विकास का माध्यम बन

जाएगा। मेरा यह भी मानना है कि असम देश में पीआरआई के विकास के लिए एक रोल मॉडल होगा और उन आदर्शों और उद्देश्यों को पूरा करेगा जिनके पीछे पीआरआई की कल्पना संविधान की गई है।

एक बार फिर, मैं असम के पंचायती राज संस्थानों के सम्मेलन के इस दूसरे चरण में मुझे आमंत्रित करने के लिए माननीय अध्यक्ष, असम विधान सभा का आभारी हूँ। मुझे यकीन है कि सम्मेलन में भाग लेने वाले विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-मंथन करेंगे, जिनका पीआरआई सामना कर रहे हैं, खासकर असम के संदर्भ में, और नवीन और कार्रवाई योग्य समाधान लेकर सामने आएंगे। प्रतिभागियों के बीच एक-से-एक बातचीत और अनुभव साझा करने से निश्चित रूप से पीआरआई प्रतिनिधियों के बीच मौजूद किसी भी मतभेद को हल करने में काफी मदद मिलेगी और मुझे यकीन है कि सम्मेलन उन उद्देश्यों को प्राप्त करेगा जिनके लिए इसे आयोजित किया गया था।
मैं असम विधान सभा को धन्यवाद और शुभकामनाएं देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं और यह विश्वास व्यक्त करता हूं कि यह सम्मेलन प्रतिभागियों को जनता के उत्थानऔर जमीनी स्तर पर पीआरआई को मजबूत करने के लिए प्रेरणा, सशक्तिकरण और नई प्रोत्साहन की भावना देगा।

धन्यवाद
जय हिन्द...